दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 22.04.2025

प्रकाशनार्थ

धरती माँ का करो सम्मान, तभी बनेगा जगत महान
पेड़ लगाओ धरती बचाओ, धरती माँ का सम्मान बढ़ाओ

दिनांक 22.04.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के बी.एड. विभाग में विश्व पृथ्वी दिवस 2025 के अवसर पर पृथ्वी तथा उसके वातावरण के संरक्षण के सन्दर्भ में पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम शिक्षक–प्रशिक्षुओं को अपने ग्रह की रक्षा करने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने एवं हरित जीवन शैली को अपनाने के उद्देश्य से 'पृथ्वी दिवस पर्यावरण शपथ' दिलाई गई। उसके उपरान्त सभी प्रशिक्षुओं ने पृथ्वी दिवस 2025 की थीम–'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' पर स्लोगन/पोस्टर के माध्यम से अपने–अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षु तन्नू जायसवाल ने कहा कि हर दिन ही पृथ्वी दिवस है, और यदि हम सभी छोटे–छोटे प्रयास करें तो पृथ्वी के संरक्षण में उसका बड़ा प्रभाव दिखाई देगा। प्रशिक्षु अर्पिता सिंह ने कहा कि हमारी पृथ्वी केवल एक ही है, और इसे बचाने का हमारे पास मौक़ा भी सिर्फ़ एक ही है, इसलिए हम सभी को मिलजुलकर पृथ्वी ग्रह का संरक्षण करना होगा। प्रशिक्षु अंशिका पांडे ने कहा कि जब हम सभी धरती माँ का सम्मान करेंगे अर्थात् पृथ्वी ग्रह का संरक्षण करेंगे तभी यह संसार बचेगा और महान बन पायेगा। अन्य प्रशिक्षुओं ने भी विभिन्न स्लोगन प्रस्तुत किये जैसे 'हमको आगे आना है, धरती को बचाना है', 'पेड़ लगाओ धरती बचाओ, धरती माँ का सम्मान बढ़ाओ', 'चलो अपना कर्तव्य निभाएं, इस धरती को स्वच्छ, सुन्दर और रहने योग्य बनायें', 'हरित अपनाए, हरित बचाए', 'धरती हो रही बीमार हर तरफ हाहाकार है', धरती माँ है, उसे सिर्फ दिन मत दो – ध्यान दो' आदि।

कार्यक्रम के अन्त में विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि पृथ्वी दिवस 2025 का थीम 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' हम सभी को ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करने का सन्देश देती है। अधिक से अधिक स्वच्छ बिजली के उत्पादन का प्रयास करना चाहिए। हम सभी पेड़ लगाकर, बिजली बचाकर, सौर–ऊर्जा का इस्तेमाल करके, पानी का सीमित इस्तेमाल करके, रेन वाटर हार्वेस्टिंग करके, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करके, अपने आस–पास के वातावरण को साफ़–स्वच्छ रखके तथा पर्यावरण मित्रवत व्यवहार अपनाकर धरती माता को बचाने में अपना योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षु प्रद्युम्न दुबे ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो० (डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ट प्राध्यापक प्रो० (डॉ.) अरुण कुमार तिवारी, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप कुमार यादव, श्रीमती शालिनी पारिक एवं बी.एड. के समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क